# पड़ोसन भाभी ने मुझसे चुदवा लिया

“Xxx भाभी चुदाई कहानी में पढ़ें कि मेरे पड़ोस में नयी भाभी आयी तो मैं उनका दीवाना हो गया. मैं भाभी की चूत में अपना लंड डालकर मजा लेना चाहता था. …”

**Story By:** दीपक 1402 (deepak1402)
**Posted:** Saturday, June 26th, 2021
**Categories:** Sex Kahani
**Online version:** पड़ोसन भाभी ने मुझसे चुदवा लिया


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# पड़ोसन भाभी ने मुझसे चुदवा लिया

Xxx भाभी चुदाई कहानी में पढ़ें कि मेरे पड़ोस में नयी भाभी आयी तो मैं उनका दीवाना हो गया. मैं भाभी की चूत में अपना लंड डालकर मजा लेना चाहता था.

मेरा नाम दीपक है और मेरी उम्र 24 साल की है. मैं ग्वालियर का रहने वाला हूँ. मेरे लंड का साइज काफी बड़ा है.

मेरी एक साल पुरानी ये Xxx भाभी चुदाई कहानी मेरी पड़ोस की भाभी की है. उनका नाम सोनिया था. उनके पति उन्हें प्यार से सिम्मी कहते थे.
वो एक किराये के मकान में रहने आई थीं. उनके पति किसी कम्पनी में एक इन्जीनियर थे.

सिम्मी भाभी दिखने में बहुत ही सुंदर थीं. जो भी उन्हें देखता था … उसका लंड खड़ा हो जाता था.
भाभी एकदम दूध जैसी गोरी थीं और उनका फिगर 34-30-36 का था.

शुरू में जब वो यहां रहने आई थीं और मैंने पहली बार भाभी को देखा था, तो देखता ही रह गया था.
उस दिन मेरे दिलो-दिमाग पर भाभी की खूबसूरती का ऐसा जुनून चढ़ा कि मैंने बाथरूम में जाकर भाभी को याद करके मुठ मार ली थी.

उसके बाद तो ये मेरा लगभग रोज का नियम सा हो गया था. मैं भाभी को देखता और लंड हिला कर खुद को शांत कर लेता था.

इसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि मैं जब भी सिम्मी भाभी को देखता था तो भाभी भी मुझे उसी पल नोटिस कर लेती थीं कि मैं उनको देख रहा हूं … और मुझे बरबस उनकी खूबसूरत

जवानी के दीदार से महरूम हो जाना पड़ता था.

एक दिन में जिम से वापस घर आ रहा था तो भाभी और उनके पति दोनों बाहर ही खड़े थे.

मैं उनके घर के सामने से गुजर ही रहा था कि भैया ने आवाज दी- हैलो !
मैंने एकदम से पीछे मुड़कर देखा तो भैया बोले- हां आपको ही बुला रहा हूँ.

थोड़ा डर सा गया मैं … कि भाभी ने मेरे बारे में कुछ बोल तो नहीं दिया.

मैं उनके पास पहुंचा और मैंने भैया और भाभी को हैलो बोला. भैया से हाथ मिलाया तभी भाभी ने भी अपना हाथ बढ़ा दिया, तो मैंने भाभी से भी हाथ मिलाया.
भाभी से हाथ मिलाते ही मेरे शरीर में करंट सा दौड़ गया था. भाभी का हाथ एकदम मुलायम था.

भैया ने कहा- मेरा नाम सोहन है, ये मेरी वाइफ सोनिया हैं.
मैंने भी उनको अपना नाम दीपक बताया.
भैया ने कहा- चलो अन्दर बैठते हैं.

मैं अन्दर गया तो भैया ने सोफे पर बैठने को बोला और भाभी को बोला- सिम्मी, जरा चाय बना दो.
मैंने भैया को मना किया- मैं चाय नहीं पीता हूं.

तो भैया बोले- ओके … फिर क्या पियोगे ?
मैं बोला- अभी मैं कुछ नहीं पियूंगा, फिर कभी पी लूंगा.
भैया बोले- अच्छा यही राज है इतनी अच्छी बॉडी का.

मैं शर्मा गया.

फिर भैया ने कहा- दीपक, मैं यहां नया आया हूं. इस शहर में थोड़े ही दिन हुए हैं. मैं यहां किसी को जानता भी नहीं हूं … तो सोचा कि आपसे दोस्ती कर लूं.

मैंने तुरंत ही कहा- हां भैया, मैं इधर ही पास में रहता हूं. आपको कभी भी किसी काम की जरूरत पड़े, तो बेहिचक बता दीजिएगा.
भैया ने बोला- हां, आप अपना नम्बर दे दो.

मैंने भैया को अपना नंबर दे दिया और कुछ देर इधर उधर की बात करके वहां से आ गया.

भैया से बातों के बीच मैंने गौर किया था कि सिम्मी भाभी मुझे बार बार देख रही थीं.

घर पर आकर सबसे पहले मैं बाथरूम में गया और भाभी को याद करके मुठ मारी तब जाकर कुछ रिलैक्स हुआ.

कुछ दिन ऐसे ही निकल गए. भैया भाभी जब भी मिलते तो 'हैलो हाय ..' बोलते और उन दोनों से थोड़ी बहुत बात भी होती.

एक दिन भैया का फ़ोन आया- दीपक आप कहां हो ?
मैं बोला- भैया, मैं तो घर पर ही हूँ … कुछ काम है क्या ?
भैया बोले- हां … आप आ जाओ.

मैं भैया के घर पहुंचा.

भैया ने कहा- दीपक, मैं 15 दिन के लिए कम्पनी के काम से बाहर जा रहा हूँ. आप अपनी भाभी का ख्याल रखना.
मैंने कहा- भैया आप निश्चिन्त होकर जाइए … मैं हूँ यहां पर !

भैया ने धन्यवाद कहा और उसी समय वो बाहर निकल गए.

भैया के जाने के बाद भाभी ने कहा- दीपक, आप अपना नम्बर मुझे दे दो, किसी काम की जरूरत होगी, तो मैं आपको कॉल कर दूंगी.
मैंने भाभी को अपना नंबर दिया और वहां से आ गया.

शाम को नए नंबर से मैसेज आया- हैलो.
मैंने भी हैलो कहा.
उधर से कहा गया- पहचाना ?
मैंने कहा- नहीं.

दूसरा मैसेज भाभी का आया- मैं सिम्मी बोल रही हूँ … आप मेरे घर आ जाओ मुझे कुछ सामान मंगाना है.

मेरे मन में लड्डू फूट रहे थे कि आज भाभी से बात करने का मौका मिलेगा.
मैं जल्दी से उनके घर गया और बेल बजाई.

जैसे ही भाभी ने दरवाजा खोला, तो मैं बस भाभी को ही देखता रह गया.
सिम्मी भाभी उस समय जींस टी-शर्ट में थीं. वो इस ड्रेस में एक बहुत ही क़यामत लग रही थीं.

सिम्मी भाभी चुटकी बजा कर बोलीं- दीपक कहां खो गए ?
मैंने हड़बड़ाते हुए बोला- क..कहीं नहीं.

भाभी मुस्करा दीं और बोलीं- अन्दर आ जाओ.
मैंने अन्दर आया तो भाभी ने मुझसे कहा- बैठ जाओ.

फिर मुझे फ्रिज से ठंडा पानी निकाल कर दिया और बोलीं- बाजार से कुछ सामान लेकर आना है, आप ले आओगे ?

मैंने कहा- ठीक है, आप लिस्ट बना दीजिए.

भाभी ने सामान की लिस्ट बना कर रखी हुई थी, वो मुझे दे दी.
पैसे भी दे दिए.

मैं बाजार चला गया. एक घंटे में भाभी की लिस्ट का सारा बाजार से सामान ले आया.

शाम के 7 बज गए थे. मैंने सामान भाभी को दिया और कहा- मैं चलता हूं भाभी.
सिम्मी भाभी बोलीं- अभी नहीं, चाय पीकर जाना.

मैंने कहा- मैं चाय नहीं पीता.
तो भाभी बोलीं- आज मेरे हाथ की चाय पीकर देखो … न जाने चाय से क्या दुश्मनी पाल रखी है.
इतना कह कर भाभी हंस दीं और अन्दर चली गईं.
मैं मना न कर सका.

भाभी रसोई में गईं और कुछ ही देर में चाय बनाकर ले आईं.
मैं भाभी के बारे में ही सोच रहा था.

भाभी चाय सामने टेबल पर रखी और मुझे टोकते हुए बोलीं- ये लो स्पेशल चाय रेडी है.

मैं चाय पीने लगा. भाभी सामने ही बैठी थीं.

मैंने पहला सिप लिया और कहा- आह … वाकयी भाभी, चाय बहुत बढ़िया बनी है.

अब मेरी भाभी से बातचीत होना शुरू हो.
पहले घर परिवार के बारे में बात हुई.

फिर अचानक से भाभी ने पूछा- वो तो सब ठीक है. अब ये बताओ कि गर्लफ्रेंड कितनी हैं आपकी !
मैंने फिर से हड़बड़ाते हुए कहा- एक भी नहीं.

भाभी बोलीं- ये नहीं हो सकता.
मैंने कहा- सच में नहीं है भाभी !

तो भाभी बोलीं- क्यों नहीं है ?
मैंने कहा- कोई मिली ही नहीं.

भाभी बोलीं- अच्छा मतलब मिली नहीं है आपको तो चाहिए है. हम्म … बताओ कैसी चाहिए ?
मैंने झट से बोल दिया- बिल्कुल आपके जैसी.

भाभी ये सुनकर मुस्करा दीं और बोलीं- अरे आपको तो मुझसे भी अच्छी मिल जाएगी.
मैंने कहा- नहीं भाभी, आपसे अच्छी कभी नहीं मिलेगी.

भाभी ने कहा- ऐसा मुझमें क्या अच्छा है ?
मैंने कहा- आप बहुत सुंदर हो.

भाभी ने थैंक्यू कहा और मैंने बात को आगे बढ़ाते हुए बोल दिया कि भैया बहुत लकी हैं, जो आप जैसी पत्नी मिली.
इस पर भाभी बनावटी हंसी हंसने लगीं.

इधर मैं भाभी के बारे में कुछ तफसील से बताना चाहूँगा.
भाभी की उम्र करीब 30 साल थी … लेकिन वो लगती 24 साल की ही थीं. उनके पति की उम्र 35 साल थी … उनका पेट भी निकल गया था. वो बुड्ढे से लगने लगे थे.

मैंने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा- भाभी अब आप बताओ … आपकी शादी शुदा लाइफ कैसी चल रही है ?
इस पर भाभी दुखी सी हो गईं और बोलीं- ठीक चल रही है.

लेकिन उनके जवाब से मैं समझ गया कि कुछ तो गड़बड़ है. मैंने देखा कि भाभी उदास सी हो गई थीं और उनकी आंखों में आंसू आ गए थे.

मैं उठ कर उनके सोफे पर आ गया और उनके आंसू पौंछने लगा.

मैंने भाभी से पूछा- भाभी आप रो क्यों रही हैं ?
वो बोलीं- ऐसे ही बस रोना आ गया.

मैंने थोड़ा समझाने के बाद उनसे फिर से पूछा, तो बोलीं- मेरे पति मुझे खुश नहीं कर पाते हैं.

मैं भाभी के आंसू पौंछते वक्त अपना हाथ उनके मम्मों पर टच कर रहा था मगर भाभी ने कुछ भी नहीं बोला.
बल्कि भाभी मेरे सीने से टिक कर अपना गम दूर करने लगीं.

अब मैंने भाभी के गले में हाथ डाल दिया और उस तरफ से हाथ उनके गाल पर ले जाकर उनके आंसू पौंछते हुए उनके गाल सहलाने लगा और उनको दिलासा दिलाता रहा.

मैंने भाभी को बोला- सब ठीक हो जाएगा … मैं हूँ ना … आप मुझे अपना ही समझो.
भाभी बोलीं- कुछ ठीक नहीं होगा दीपक. तुम्हें अपना न समझती तो क्या तुम्हारे सामने अपना दुखड़ा रोती !

ये कह कर भाभी मेरे सीने से लग कर हिचकी भरने लगीं.

भाभी के मम्मों के टच से मेरा लंड खड़ा हो गया. चूंकि भाभी मेरे ऊपर लदी सी थीं तो उनकी जांघ से खड़ा लंड टच कर रहा था. शायद भाभी को भी मेरे लंड का खड़ा होना अच्छा लग रहा था.

मुझे घर जाना था तो मैं अब सोफे से खड़ा होने की कोशिश कर रहा था.
लेकिन लंड का तंबू बना हुआ था और मेरा लंबा और काफी मोटा लंड साफ दिख रहा था.

जैसी ही मैं उठने को हुआ, भाभी की नजर मेरे खड़े लंड पर जा पड़ी.
वो लंड देख कर मुस्करा दीं.

मैं सॉरी बोल कर सामने वाले सोफे पर बैठ गया और अपने लोअर के ऊपर से ही लंड को एडजस्ट करने की कोशिश करने लगा.
मगर लंड था कि शांत होने का नाम ही नहीं ले रहा था.
मैं भाभी के सामने ही उसे दबाने में लगा था.

भाभी बोलीं- अपने आप हो जाएगा दीपक.
मैं न जाने किस झौंक में बोल गया- ये बैठने का नाम नहीं ले रहा है … क्या करूं, मुझे घर जाना है … कैसे जाऊं !

भाभी बोलीं- घर पर कॉल कर दो कि दोस्त के घर पर हूँ … आज रात यहीं रुकूँगा, कल आ जाऊंगा.
मैंने ये सुनकर भाभी की तरफ देखा तो भाभी ने आंख मार दी और बोलीं- आज मेरे साथ ही रह लो … मुझे तुम्हारे साथ अच्छा लगेगा.

मैं समझ गया कि भाभी पट गई हैं. अब Xxx भाभी चुदाई का मजा जरूर मिलेगा.

मैंने तुरंत घर कॉल करके बता दिया कि मैं एक दोस्त के यहां रुक गया हूँ, कल आऊंगा.

फिर मैंने भाभी से कहा- भाभी मैंने घर तो बोल दिया … मगर इसे कैसे शांत करूं ?
भाभी बोलीं- उसे मैं शांत कर दूंगी.

ये कह कर भाभी मेरे पास आईं और मेरे लोअर के ऊपर से लंड पर हाथ रख दिया.
मैं गनगना गया.

भाभी बोलीं- इसके दर्शन तो करा दो मुझे.
मैंने देरी ना करते हुए लोअर नीचे कर दिया.
मेरा खड़ा लंड उछल कर फूलने लगा.

फूला हुआ लंड देखते ही भाभी चौंक गईं और बोलीं- य..ये क्या है !
मैं बोला- आप ही देख लो.

भाभी बोलीं- इतना बड़ा … इतना मोटा !
मैंने कहा- आप तो ऐसे बोल रही हो … जैसे कभी देखा ही नहीं हो.

भाभी बोलीं- हां देखा तो है … लेकिन इतना बड़ा कभी नहीं. मेरे पति का तो इसका आधा ही है.

मैंने उन्हें देखा और होंठों को गोल करके एक चुम्बन का इशारा किया तो भाभी मेरे होंठों के करीब आ गईं और पता ही नहीं चला कि कब मेरे होंठ भाभी के होंठों से मिल गए.

लिपलॉक हुआ तो लम्बा किस चलने लगा.

मेरे हाथ भाभी के मम्मों पर चले गए.

एक मिनट बाद भाभी बोलीं- यहां नहीं … बेडरूम में चलते हैं.

मैं भाभी को गोद में उठा कर बेडरूम पर ले गया ; जल्दी भाभी के कपड़े निकाले और उन्हें केवल ब्रा पेंटी में कर दिया.

भाभी ने भी मेरे सारे कपड़े निकाल दिए.

मैं एकदम नंगा था और अपना खड़ा लंड भाभी को दिखा रहा था.
भाभी खड़ा लंड देख कर मदहोश थीं.

मैंने आगे बढ़ कर भाभी के मम्मों को उनकी ब्रा के ऊपर से ही दबाने शुरू कर दिए.
भाभी मेरे 8 इंच के लंबे लंड से खेल रही थीं.

फिर मैंने भाभी की ब्रा पैंटी भी निकाल दी और भाभी की चूत में उंगली डालने लगा.

कुछ ही में भाभी बुरी तरह से तड़पने लगी थीं.
वो बोल रही थीं- दीपक प्लीज डाल दो चूत में … आह आज फाड़ ही दो इसे !

मैं भाभी की चूत में उंगली करता जा रहा था.
थोड़ी देर में भाभी झड़ गईं.

झड़ने के बाद भाभी ने लंबी सांस ली और मेरी तरफ देख कर मुस्कुराने लगीं.
मैं बोला- भाभी लंड मुँह में लो न !

भाभी झट से लंड मुँह में लेकर उसे लॉलीपॉप की तरह चूसने लगीं.
उस समय मेरी उत्तेजना की सीमा सातवें आसमान में थी.
मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि भाभी मेरा लंड चूसेंगी.

कुछ मिनट लंड चूसने के बाद मैंने कहा- आह भाभी मैं झड़ने वाला हूँ. रस कहां निकालूं ?

भाभी के मुँह में लंड होने के कारण उन्होंने हाथ से इशारा किया कि मुँह में ही छोड़ दो.

मैंने सारा माल भाभी के मुँह में ही छोड़ दिया और भाभी सारा माल पी गईं.

मैंने फिर से भाभी के बूब्स चूसने लगा.

एक हाथ भाभी की जांघ के ऊपर दूसरा गांड के ऊपर घुमा रहा था.

दो मिनट तक भाभी के मम्मों को चूसने के बाद मैंने कहा- भाभी 69 की पोजीशन में आ जाओ.
भाभी ने हामी भर दी.

अब मैं और भाभी 69 की पोजीशन में हो गए. मेरा लंड भाभी के मुँह में था और भाभी की चूत मैं चाट रहा था.

पूरे कमरे में भाभी की मादक सिसकारियां गूँज रही थीं- आह यह आ आह … ऊह आआआ उ!

मैंने भाभी से मुँह से लंड निकाला तो वो बोलीं- दीपक, प्लीज अब देर न करो … मेरी चूत में अपने मोटे लंड को डाल दो.

भाभी को मैंने सीधा किया और लंड को चूत के ऊपर सैट कर दिया.
इसके बाद मैंने भाभी की तरफ देखा और एक झटका दे मारा.
मेरा आधा लंड चुत के अन्दर घुस गया.

भाभी की चीख निकल गई, वो तड़फ कर बोलीं- आह नहीं … मारोगे क्या … आह बहुत बड़ा है … मुझे नहीं सहा जाएगा निकाल लो.
मैंने उनकी एक न सुनी और मम्मों को चूसने लगा.

एक मिनट बाद फिर से एक झटका मारा तो इस बार मेरा पूरा लंड चूत के अन्दर चला गया.
भाभी की फिर से चीख निकली, वो बोलीं- मर गई मम्मी रे … आह निकाल लो.

मैंने भाभी के होंठों को चूसना शुरू कर दिया और धीरे धीरे झटके मारने लगा.

कुछ ही देर में भाभी को अच्छा लगने लगा.
अब मैंने झटकों की स्पीड बढ़ा दी.

भाभी भी मेरा साथ देने लगीं और नीचे से गांड उठाने लगीं.

मैंने काफी देर तक भाभी को चोदा.
इतनी देर में भाभी दो बार झड़ चुकी थीं.

ताबड़तोड़ चुदाई के बाद मैंने भाभी से बोला- भाभी में झड़ने वाला हूँ, मलाई कहां निकालूं ?
भाभी बोलीं- मेरे मुँह में छोड़ दो … मुझे आपका माल पीना है … बहुत टेस्टी है.

मैंने लंड भाभी के मुँह से लगा दिया और सारा वीर्य भाभी के मुँह में ही छोड़ दिया.
भाभी ने पूरा रस खा लिया और लंड को चाट चाट कर साफ़ कर दिया.

उस रात मैंने Xxx भाभी चुदाई की.
उस रात की चुदाई से भाभी बहुत खुश थीं.

दूसरी बार दिन में भाभी को चोदने का मौक़ा मिला तो मैंने भाभी की गांड मारी.
उस सेक्स कहानी को मैं बाद में बताऊंगा. आज के लिए इतना ही.

आपको मेरी Xxx भाभी चुदाई कहानी कैसी लगी, मुझे मेल से जरूर बताएं.

मेरी ईमेल आईडी है

gigoloboy1402@gmail.com

धन्यवाद.

# Other stories you may be interested in

## होटल में बुलाकर जोरदार चुदाई करवायी

हॉट वुमन सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक लेडी ने मुझे होटल में बुलाया सेक्स के लिए. लेकिब उसने मुझे ही काबू कर लिया और अपनी मर्जी से अपनी चूत चुदवायी. दोस्तो, मेरा नाम नवीन चौधरी है. मैं आगरा में […]

Full Story >>>

## पड़ोस की भाभी की चूत लंड की तलबगार

Xxx भाभी हिंदी कहानी में पढ़ें कि पड़ोस की एक भाभी से मेरी दोस्ती है. उसके पति विदेश में हैं तो वो मुझे लंड की प्यासी लगती थी. कैसे चुदी मुझसे वो ? मेरे पड़ोस में एक भाभी रहती हैं, उनका […]

Full Story >>>

## प्यासी भाभी के साथ जोश भरे सेक्स का मजा- 4

डर्टी वाइल्ड सेक्स कहानी में पढ़ें कि कैसे भाभी ने मेरे साथ अपनी फंतासी पूरी की और फिर मुझे अपनी चूत में मेरा सूज कर मोटा हुआ लंड डालने को कहा. नमस्कार मित्रो, जैसा कि डर्टी वाइल्ड सेक्स कहानी के […]

Full Story >>>

## प्यासी भाभी के साथ जोश भरे सेक्स का मजा- 3

एक भाभी ने गंदा सेक्स किया मेरे साथ. मेरे लंड को दर्द देकर सुजा दिया. उसने अपनी बी डी एस एम फंतासी मेरे साथ खेल कर पूरी कैसे की ? नमस्कार दोस्तो, मैं आरुष एक बार फिर से आपकी खिदमत में […]

Full Story >>>

## आनन्द के लंड का आनन्द

मेरी गांड में लंड की कहानी में पढ़ें कि मैं एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में गया। वहां मुझे एक जवान लड़का भा गया। क्या वो भी वही चाहता था जो मैं चाह रहा था ? दोस्तो, मैं अपने जीवन एक […]

Full Story >>>